

इस अंक में...

- 7 | सम्पादकीय
- 8 | समसामयिकी घटना संग्रह
- 9 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 | आर्थिक घटना संग्रह

- 'गलत धारणा सूचकांक' में भारत का 12वाँ स्थान
- आईओसी का पहला एलएनजी आयात टर्मिनल
- पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में स्मारक सिक्का जारी
- देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज

23 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- उच्च जातियों के गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण की मंजूरी
- प्रयागराज में 29 दिनों के 'संस्कृति कुंभ' का आयोजन
- एसडीजी भारत सूचकांक, 2018 जारी
- हरियाणा 4000 अटल सेवा केन्द्र वाला देश का पहला राज्य
- भारत का सबसे लम्बा 'बोगीबील सेतु' राष्ट्र को समर्पित

28 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह



- भूटान के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा
- राष्ट्रीय मान्यता निकाय प्रमाण-पत्र को एशिया-प्रशांत क्षेत्र में मान्यता हासिल
- नॉर्वे की प्रधानमंत्री एर्ना सोलबर्ग की भारत यात्रा
- भारत विश्व भर में सबसे भरोसेमंद राष्ट्रों में : रिपोर्ट

31 | खेल खिलाड़ी

- खेलो इंडिया यूथ गेम्स का समापन : महाराष्ट्र पदक तालिका में शीर्ष पर
- यूएसए क्रिकेट आईसीसी का 105वाँ सदस्य बना
- 150 टेस्ट मैच जीतने वाला दुनिया का पाँचवाँ देश भारत बना
- हरियाणा ने विजय मजैट ट्रॉफी अपने नाम की
- रोहित शर्मा आस्ट्रेलिया में वनडे में 5 शतक लगाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर

35 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

- 38 | अंतरिक्ष लेख—ग्रामीण भारत में आएगी इंटरनेट क्रांति
- 39 | पारिस्थितिकी लेख—बायोम एवं उसके प्रकार
- 41 | प्राकृतिक आपदा लेख—मौसम विभाग की सतर्कता से कम रहा तितली का तांडव
- 42 | कॅरियर लेख—मल्टीमीडिया तथा एनीमेशन : सम्भावनाओं के द्वार खोलता शानदार कॅरियर
- 43 | कृषि लेख—आधुनिक कृषि में कृषि मशीनीकरण का उपयोग एवं महत्व
- 45 | आपदा लेख—केरल में बाँध, बाढ़ और प्राकृतिक चक्र में परिवर्तन
- 76 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
- 77 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-107 का परिणाम
- 78 | वर्ष 2018 में सम्पन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सैन्य अभियान/युद्धाभ्यास
- 81 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

- 46 | हरियाणा एस.एस.सी. ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2018
- 51 | उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग अमीन/अहलमद परीक्षा, 2016
- 62 | आगामी झारखण्ड विशेष शाखा आरक्षी (क्लोज कैडर) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
- 71 | आगामी उत्तराखण्ड समूह 'ग' भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे-इलेक्ट्रॉनिक, मेकैनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सक्सेस मिरर' की नहीं है.

- सम्पादक : महेन्द्र जैन
- रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2
- सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन- 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स- (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टमर केयर: care@pdgroup.in
- पटना ऑफिस
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना- 800 004
फोन- 0612-2303340
मो- 09334137572
- हृदराबाद ऑफिस
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्र बैंक के बगल में), हृदराबाद-500 036
(तेलंगाना) फोन- 040-24557283
- लखनऊ ऑफिस
B-33, ब्लॉक स्ववायर, कानपुर
टैक्सो स्टैण्ड लेन, मवईया,
लखनऊ- 226 004
फोन- 0522-4109080
मो- 09760181118
- कोलकाता ऑफिस
H-3, ब्लॉक-B, म्युनिसिपल प्रीमिसेस No.
15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकर,
कोलकाता- 700 003 (W.B.)
फोन- 033-25551510
- हल्द्वानी ऑफिस
8-310/1, ए. के. हाउस
क्षीरानगर, हल्द्वानी,
जिला-नैनीताल- 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो- 07060421008
- इन्दौर
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मंदिर के निकट
मलहारगंज
इन्दौर- 452 002 (म.प्र.)
फोन- 9203908088
- नागपुर ऑफिस
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर-440 009 (महाराष्ट्र)
मो- 09370877776
- दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110 002
फोन- 011-23251844, 43259035



भय पर विजय प्राप्त कीजिए

प्रत्येक व्यक्ति आगे बढ़ना चाहता है, वह जिस स्थिति में है, उसमें सुधार करना चाहता है यानी उसकी अपेक्षा अधिक अच्छी स्थिति में अधिक सुखद एवं सुविधाजनक स्थिति में आना चाहता है और यह सर्वथा उचित है, क्योंकि विकास का मार्ग यही है, परन्तु इस मार्ग में अनेक अवरोध आते हैं। पर्वत की चोटी पर ले जाने वाला मार्ग अत्यन्त चक्करदार एवं कण्टकाकीर्ण होता है। मार्ग में अनेक झाड़-झंकार, खड्डे आदि होते हैं, कभी उनसे बचकर निकलना पड़ता है, कभी उन्हें हटाना पड़ता है। सबसे बड़ी बात यह है कि पर्वतारोही को अपने लिए स्वयं मार्ग बनाना पड़ता है। वहाँ बनी-बनाई पक्की सड़कें तैयार नहीं होती हैं। उन्नति करने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति को हर प्रकार के अवरोध और बाधाएं पार करने के लिए तथा अपना मार्ग स्वयं प्रशस्त करने के लिए तैयार रहना चाहिए। महत्वाकांक्षी परीक्षार्थी को चाहिए कि वह अपने को एक पर्वतारोही की स्थिति में रखकर प्रत्येक परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहें। यदि कोई सहपाठी आपको किसी प्रकार की बाधा पहुँचाता है तो उससे उलझने की बजाय उसके द्वारा उत्पन्न बाधा के निवारण का उपाय करें, मोहल्ले-पड़ोस में यदि शोर होता है तो या तो अध्ययन का स्थान बदल दें अथवा एकाग्रता को इतना विकसित कर लें कि शोरगुल आपके लिए बाधा न बन सके, याद रखिए प्रकृति पर विजय उसके नियमों का पालन करके प्राप्त की जा सकती है उससे लड़कर नहीं। अनुभवी तैराकों का कहना है कि जब कभी नदी की तेज धार में फंस जाओ तो उससे निकलने का प्रयत्न मत करो, थक जाओगे और डूब जाओगे। किनारे के समानान्तर धारा के साथ बहो। जब उसका प्रकोप शान्त हो जाए, तब हाथ पैर मारकर किनारे की जमीन पर आना चाहिए। नदी पर पुल बनाने के लिए नदी के प्रवाह को अवरुद्ध नहीं किया जाता है, बल्कि उसके लिए एक वैकल्पिक मार्ग बना दिया जाता है। जो भी हो, प्रत्येक स्थिति को अपने अनुकूल बनाने का प्रयत्न करना चाहिए। अवसर सुअवसर बन जाएगा और

आप निरन्तर बढ़ते चले जाएंगे। बस, एक बात का ध्यान रखें। उन्नति या विकास की गति प्रायः मंद होती है और ऊँचाई के साथ उसकी गति मंद से मंदतर होती जाती है और अवरोध तीव्र से तीव्रतर होते जाते हैं। महत्वाकांक्षा का मोती धैर्य एवं अध्यवसाय की सीपी में पलता है।

आगे बढ़ने के लिए बाधाएँ दूर करनी पड़ती हैं, साथ ही उनका भय भी मन में से निकाल देना होता है। प्रगति का मार्ग पर्वतारोहण की भाँति दुर्गम होता है।

प्रकृति पर विजय का नियम अवरोध उत्पन्न करना न होकर वैकल्पिक मार्ग का निर्माण है।

भय उपस्थित होने पर उसका सामना करें, भागने की बात न सोचें, प्रगति और विकास का मार्ग आगे बढ़ना है, भागना या पीछे लौटना नहीं। हतोत्साहित करने वालों से दूर रहें।

उन्नति, प्रगति एवं विकास के मार्ग की एक अन्य बाधा है—भय की भावना वस्तुतः व्यक्ति के साथ स्थायी रूप से लगी रहने वाली बाधा है। भय एक मौलिक वृत्ति (Instinct) है जो जन्म के साथ जीव के व्यक्तित्व का अंश बन जाती है—यह कई रूपों में सताती है, परेशान करती है, बहुत बड़ी बाधा बनती है—परिस्थितियों के परिवर्तन का भय, अनिश्चित वातावरण में पहुँच जाने का भय, स्वजन से बिछोह का भय, असफलता का भय, भविष्य का भय, प्रेम के अभाव का भय आदि भय के मूल में स्थित रहते हैं। मृत्यु का भय सबसे बड़ा भय है। इसके मूल में भी वही बात रहती है—न मालूम कहाँ और किन परिस्थितियों में जाना होगा। हमारे युवा पाठकों को सर्वाधिक सताता है परीक्षा में असफल हो जाने का भय, परन्तु वे भूल जाते हैं कि उन्हें सब कुछ याद है अथवा आता है, तब फिर फेल होने का डर क्यों? कम-से-कम यह भय तो सताता ही रहता है कि पर्चा न मालूम कैसा आएगा। अज्ञात का भय, वस्तुतः आराम-

दायक स्थिति में परिवर्तन सबको सताते हैं। भय वस्तुतः मानव की सहज वृत्ति है और यह स्वाभाविक है।